

असाधाररा EXTRAORDINARY

भाग 11--खण्ड 3--- उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाणित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 259] नई विस्ली, बृस्पतिवार, अगस्त 31, 1978/भाव 9, 1900 No. 259] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 31, 1978/BHADRA 9, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सकें

Separate paging is given to this part in order that it may be filed as a separate compilation

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

नई दिल्ली, 31 भ्रगस्त, 1978

प्रादेश

साठ काठ निरु 439 (प्र).-- केन्द्रीय सरकार, पटितक सैक्टर लोहा ग्रीर इस्पात कमानी (पुनर्संट्वना) तथा प्रकीर्ग उपजन्त्र श्राजितयम, 1978 (1978 की 16) की धारा 25 ग्रीर 26 द्वारा प्रवस प्रक्तियों का प्रजीय करते हुए निम्नलिखित श्रादेश करती है, भ्रथीत् :--

 इस ब्रादेश का नाम पब्लिक सैक्टर लोहा ब्रीर इस्तात कम्पनी (पुनर्सरचना) तथा प्रकीर्ण उपबन्ध कठिनाइयों का निराकरण ब्रादेश मंख्या-2 है।

(759)

- 2. विवटित कम्भनी के 30 अप्रैल, 1978 को समाध्य हो। वाला प्रवित्र के लिए, कम्पनी प्राधिनियम के उपबन्धों के अनुसार वार्षिक लेखाओं, की लेखा-परीक्षा, प्रधित्रमाणन और रवीकरण के प्रयोजनीं के लिए ---
 - (क) सवाकलित कम्पनी का निर्देशक बोर्ड विषटिस कम्पनी मोर्ड के क्रुटवीं का विर्देहन करेगा,
 - (ख) समाकांतित कम्पनी के शेवरधारक विश्वदित कम्पनी के शेवर-धारकों के क्रस्यों का निर्वहन करेंगे,
 - (ग) समाकलित कम्पनी के रिजिस्ट्रीकृत कार्यालय की विषटित कम्पनी का रिजिस्ट्रीकृत कार्यालय समझा जाएगा।
- इस भ्रावेश के उनकर्ध, कंम्पनी भ्रधितियम या तत्समय प्रवृत्त किसी भ्रन्य विधि में किसी बात के होते हुए भी, प्रभावी होंगे।
- 4. इस आदेश में प्रयुक्त सभी शब्दों भीर पदों के कमभः वहीं भर्थ होंगे जो उन्हें पब्लिक सैक्टर लोहा और इस्पात कम्पनी (पुनर्सरचना) तथा प्रकीर्ण उपबन्ध श्रश्चिनियम, 1978 (1978 का 16) में दिए गए हैं।

[सं० 6 (17)/78~ एस ए आई एल-1] शिवराज देव प्रसाद, श्रपर संखिव

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Steel)

New Delhi, the 31st August, 1978 ORDER

- G.S.R. 439(E).—In exercise of the powers conferred by sections 25 and 26 of the Public Sector Iron and Steel Companies (Restructuring) and Miscellaneous Provisions Act, 1978 (16 of 1978), the Central Government hereby makes the following Order, namely:—
- 1. This Order may be called the Public Sector Iron and Steel Companies (Restructuring) and Miscellaneous Provisions Removal of Difficulties Order No. 2.
- 2. For the purposes of audit, authentication and adoption of the annual accounts, for the period ended on 30th April, 1978 of the dissolved company as per the provisions of the Companies Act—
 - (a) the Board of Directors of the Integral Company shall discharge the functions of the Board of the dissolved company;
 - (b) the shareholders of the Integral Company shall discharge the functions of the shareholders of the dissolved company;
 - (c) the registered office of the Integral Company shall be deemed to be the registered office of the dissolved company.
- 3. The provisions of this Order shall have effect notwithstanding anything contained in the Companies Act or any other law for the time being in force.
- 4. All words and expressions used in this Order shall have meanings respectively assigned to them in the Public Sector Iron and Steel Companies (Restructuring) and Miscellaneous Provisions Act, 1978 (16 of 1978).

[No. 6(17)/78-SAIL-I] S. D. PRASAD, Addl. Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064 AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS DELHI-110054, 1978